आज का पुरुषार्थ 9 May 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" आज मोह ममत्वों को पूरी तरह से विदाई देने का समय आया है "*

वह आत्मायें बहुत-बहुत **भाग्यशाली** है जिनका श्रृंगार रोज सवेरे-सवेरे स्वयं **भगवान** करते है। ज्ञान-योग से श्रृंगार करते है।

भगवान तो श्रृंगार करते है, लेकिन आत्माओं की क्या स्थिति है कि वो अपने श्रृंगार को कायम रखते है या नष्ट कर देते है या श्रृंगार कराने के लिए बाप के पास जाते ही नहीं!

अगर हम सवेरे उठकर बाबा के पास नहीं जायेंगे तो वो **शक्तियों** और **वरदानों** से हमारा श्रृंगार कैसे करेंगे? यदि हम उसके **मुरली** सुनने नहीं जायेंगे तो वो हमारा **ज्ञान-रत्नों से श्रृंगार** कैसे करेंगे?

यह श्रृंगार सचमुच ही बहुत सुन्दर है। यह बात बहुत important है कि केवल एक से प्रीत रखते है। और वही इस **आध्यात्म** की ऊँची मंजिल पर चढ़ सकते है।

जिनका **प्यार** चारों ओर बिखरा हुआ है वो इस मंजिल को पा नहीं सकते। जो एक बाप से **सम्पूर्ण प्यार रखते है** उनकी सभी श्रेष्ठ आशायें भी पूर्ण हो जाती है।

लेकिन जो देहधारीओं में अपने प्यार को लगा दिया है, जो मोह-माया और ममत्व में उलझ कर दुःखी हो रहे है, वे तो अपनी शक्तियों को नष्ट ही कर रहे है।

यह कलियुग का अंत है। यहाँ अगर आप ममत्वों को ज्ञान योग के बल से छोड़ेंगे नहीं तो अब समय आ रहा है जब आपको अपना मोह ममत्वों को त्यागना ही पड़ेगा।

और तब आभास होगा ....

" जिसके लिए तुमने जीवन लगा दिया वह तो तुम्हारे ओर देखते भी नहीं है "

इसलिए **बुद्धिमानता** वही है जो सबसे ममत्व निकलकर एक के प्यार में लगा दे। देहधारीओं से ममत्वों तो जन्म जन्म करते आये। फिर भी क्या मिला? सबकुछ तो गँवा दिया।

कोई सोचते है यह कार्य बहुत कठिन है। लेकिन यदि **विधि** को अपना लिया जाये तो यह समस्या समाप्त हो जाती है। और विधि है ...

पहले तो एक के प्यार में थोड़ा-थोड़ा समय भी मगन होना। और दुसरा जिन आत्माओं से बहुत मोह ममत्वों है उन्हें आत्मिक दृष्टि से देखकर **श्रेष्ठ वायब्रेशन्स** देना।

जब हम उन्हें आत्मिक दृष्टि से देखेंगे तो उनको हमसे जाने वाले **good vibrations,** प्यार की फीलिंग करायेंगे। और **आत्मा** देखने से उनसे मोह-ममत्व स्वतः ही कम होता जायेगा।

यह मोह-ममत्व बहुत ही भयानक slow-poison है। जो आत्माओं की खुशी को नष्ट करते है, उसे **परमात्म प्राप्तियों** से दूर करता है।

अपने सभी मित्रों सम्बधियों को विशेष कर उनको जिनसे बहुत ममत्व है .. **आत्मिक दृष्टि से देखे**। यह हमारी आत्मिक दृष्टि उन्हें वायब्रेशन्स का अनुभव करायेगी।

ख़ास कर..

" मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ .. विश्वकल्याणकारी हूँ "

इस नज़र से उन्हें देखेंगे तो उन्हें श्रेष्ठ वायब्रेशन्स प्राप्त होंगे।

और बींच-बींच में बापदादा को अपने पास आह्वान भी करेंगे ....

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org